राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30/- संख्या 2466
ऑल्टर ईगो
HEMANT AMIT
सुपर कमाण्डो ध्रुव
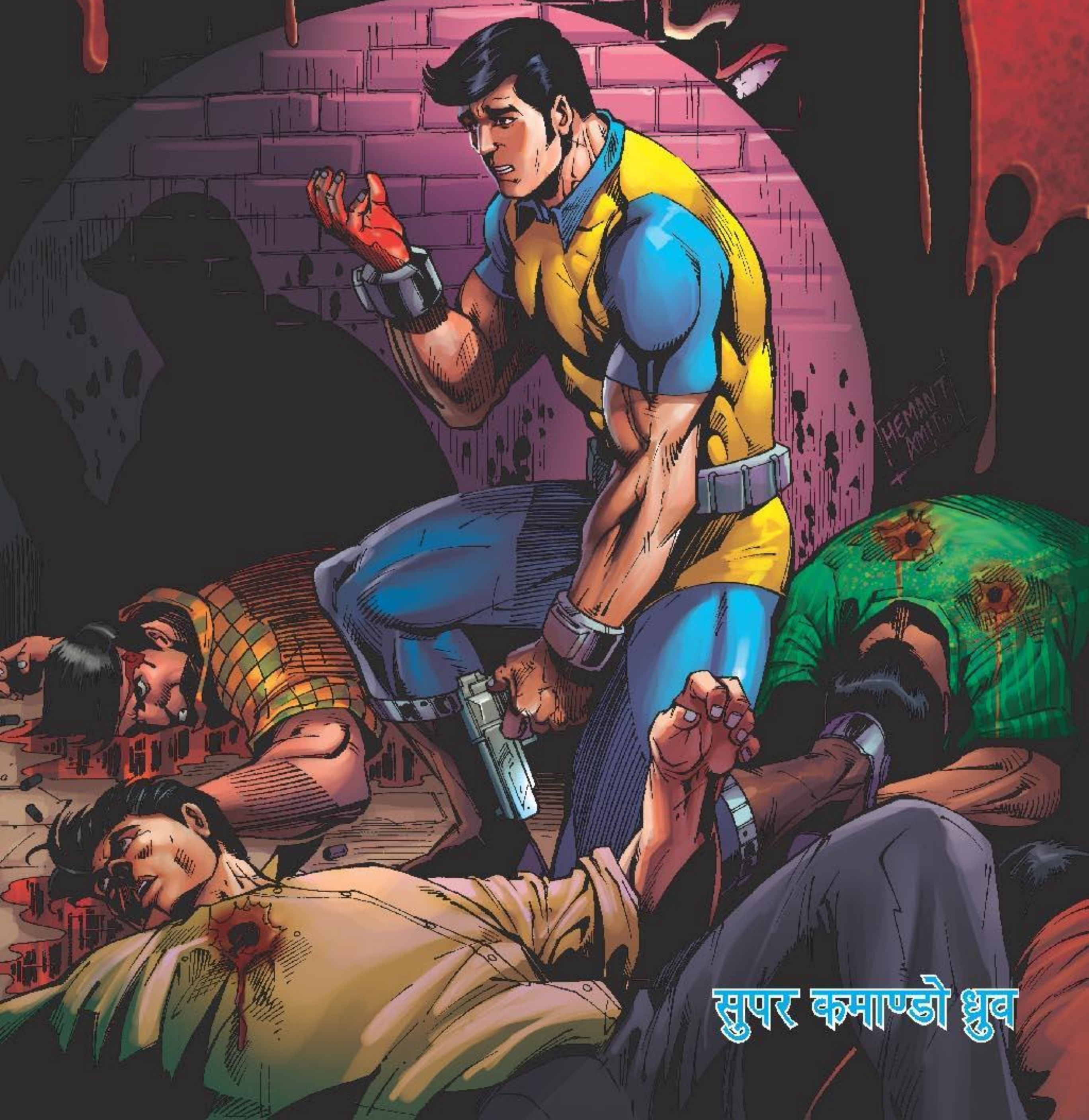
जीवन और मृत्यु!
क ड़ ड़ ड़ ऽ ऽ ऽ क!!
एक ही सिक्के के दो पहलू!
सभी इस सच को जानते हैं।
पर वो अपनी सारी जिंदगी इसी मशक्कत में निकाल देते हैं...
...कि उन्हें इस सिक्के का दूसरा पहलू ना देखना पड़े!
आज तुम दोनों की जेब में रखेला सारा रोकड़ा अपुन का होएगा! आज अपुन का लक अपुन के साथ है!
तुम तीनों का टाइम पास खत्म हो जाए तो धंधे...
ख ड़ ड़ा क!!
ये अवाज कैसी थी? पट्टे देख तो जरा!
भारी बारिश हो रही है बॉस! तेज हवा से खिड़की खड़खड़ा रही होगी। मैं बंद किए देता हूं।
पर जैसे किसी खेल में सिक्के के अनचाहे पहलू को टालना किसी के वश में नहीं होता।
वैसे ही मृत्यु के इस पहलू को टालना भी किसी के वश में नहीं होता।
कभी न कभी ये पहलू उनके सामने आ ही जाता है!

य...ये तो पट्टे की चीख थी! नशे में था वो, पर इस तरह खिड़की से गिर नहीं सकता! कुछ गड़बड़ है!
तुम लोग बिजली चैक करो। शायद फ्यूज उड़ गया है। मेरी पिस्टल कहां गई!
कहां रख दी...कहां रख दी? साला ये बिजली भी अभी ही जानी थी! DAMN IT!
आऽऽऽऽऽऽऽह!!
ठ...ठीक है!
मिल जा कमबख्त, यहीं तो रखी थी कहां गई?
हां! ये रही!
GOOD JOB! अंधेरे में भी पिस्टल ढूंढ निकाली तुमने
अब देखना यह है कि तुम्हें यह पिस्टल चलाने का मौका मिलता है या नहीं!
आं!

आऽऽऽह!
कड़ाक
क...कौन हो तुम?
क्यों मारना चाहते हो मुझे?
अपनी मौत के इतने करीब पहुंच कर भी इंसान अपनी मौत का परिचय जानने के लिए इतना उत्सुक क्यों होता है?
इस रहस्य का पता मैं आज तक नहीं लगा पाया!
छोड़...छोड़ दो मुझे मैं मरना नहीं चाहता। प्लीज मुझे छोड़ दो! तुम जो बोलोगे मैं करूंगा!
ठीक है जैसा तुम चाहो!
नहींऽऽऽऽऽ!!प्लीज भगवान के लिए मुझे छोड़ना मत!
कमाल है! मौत के करीब पहुंच कर शैतानों को भी भगवान याद आ जाता है!
जो दूसरों की जान की अहमियत एक कीड़े से ज्यादा नहीं समझते, अपनी जान पर बन आने पर गिड़गिड़ाने लगते हैं!
पर इस बार गिड़गिड़ाना काम नहीं आएगा!
य...यह नहीं हो सकता! त...तुम!

हां मैं! NOW ENJOY YOUR DEATH!
नहींSSSSSSS!
नहींSSSSSSS!
कड़ाक
छनाक्क!!
वूऊ! वूऊ! वूऊ!
वूऊ! वूऊ! वूऊ!
वूऊ! वूऊ! वूऊ!
संजय गुप्ता पेश करते हैं
ऑल्टर ईगो
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
अभिषेक सागर लेखक
मंदार गंगेले सहयोग
हेमंत चित्रांकन
अमित इंकिंग
रशीद इफैक्ट्स
हरीश शर्मा कैलीग्राफी
मनीष गुप्ता सम्पादक

दो सप्ताह पहले-
कमांडो फोर्स हेडक्वार्टर, राजनगर
ऐसा होना संभव ही नहीं है। कोरी गप्प है यह!
तुम इसे गप्प कैसे कह सकते हो? माना कुछ चीजें बढ़ाकर दिखाई जाती हैं पर उनमें भी सच्चाई होती है।
कोई सच्चाई नहीं होती, सारी कल्पना होती है इन फिल्मों में! वर्ना ऐसा कभी होता है कि तुम्हें वहम हो रहा हो और तुम्हें पता ही ना चले?
चुप रहो! बगल वाली सीट पर बैठी लड़की को देखने से फुरसत मिली होती तो देखते ना मूवी!
अपनी बात मनवाने के लिए मेरी पर्सनल बातों को बीच में ना ला नीतिका...वर्ना!
वर्ना? वर्ना क्या?
कैडेट राज, कैडेट नीतिका
SHUT UP! हम दोनों के बीच कोई नहीं बोलेगा!
और जो बोलेगा...
...जो बोलेगा? उसे क्या नीतिका?
व...वो! SHUT UP CAPTAIN...SORRY CAPTAIN...I MEAN GOOD MORNING CAPTAIN!
GOOD MORNING CAPTAIN!
GOOD MORNING CADETS. तो तुम दोनों हमेशा की तरह फिर किसी बात पर उलझ गए! कोई ऐसा दिन आएगा जब तुम दोनों किसी बात पर एग्री करोगे?
वो केप्टन, ये राज...
हां नीतिका! तुम दोनो की बहस सुन ली है मैंने! तुम दोनों ही अपनी-अपनी जगह सही हो!
मतलब?
मतलब यह कि ऐसा संभव है पर जिस तरह से उस मूवी में दिखाया गया है उस तरह नहीं
ब्रिSSSप! ब्रीप!
मूवी में जॉन नेश को सिर्फ आवाजें सुनाई देती थीं कुछ दिखाई नहीं देता था! यह सब मूवी के लिए क्रिएटीव एडॉप्टेशन के कारण था। ऐसा सच में बहुत रेयर केसेज में होता है!
सुना? ऐसा संभव है!
हां-हां! पर जैसा मूवी में दिखाया गया है वैसा नहीं!
कैप्टन! एक इमरजेंसी है!
न्यूसिटी, नेहरू चौक के RX मॉल को कुछ आतंकियों ने हाइजैक कर लिया है!...

"मॉल में लगभग 150 लोग हैं जिन्हें होस्टेज कर लिया गया है! अपने साथी शाकिर को रिहा करने की मांग है उनकी। एक घंटे का समय दिया है। जिसमें से बीस मिनट बीत चुके हैं।"
"इन बीस मिनटों में उन्हें बतलाना जरूरी था कि उनकी मांग पर विचार किया जा रहा है या नहीं! इन बीस मिनटों के खत्म होते ही वो हर पांच मिनट में एक लाश मॉल से बाहर भेजेगें!"
हीरो बनने का शौक चढ़ रहा है तुझे? लगता है एक्शन मूवी बहुत देखता है तू!
"ताकि इनकी मांग को सरकार हल्के में ना ले!"
"अगले पांच मिनट किसी की जिंदगी या मौत का फैसला करेंगे!
अभिनव!
भईया इन लोगों ने वो अंकल को क्यों मारा? इन लोगों ने सब को पनिशमेंट क्यों दी है?
चुप कर छुटकी! ये बुरे लोग हैं!
मेरी मैम बोलती हैं बुरे लोगो को गॉड पनिशमेंट देता है।
माशाअल्लाह बड़े ही नेक खयालात हैं इस प्यारी बच्ची के!
आ जाओ बच्ची! चाचा जान के पास आ जाओ!
आप मेरे चाचा नहीं हो! आप बुरे हो!
हां तो, खुदा बुरे बंदों को सजा दिलवाने के लिए नेक बंदो को भेजता है?
हां, मेरी मैम बोलती है और मेरी मैम कभी झूठ नहीं बोलती!
अच्छा! तो अभी तक हमें सजा देना आया क्यों नहीं वो...

"...खुदा का नेक बंदा?"
तुने कुछ सुना अब्दुल?
हां मोइन! लगता है कोई है अंदर जो नजरों से बच गया होगा!

यहां तो कोई भी नहीं दिख रहा है!
हां! शायद आवाज कहीं और से आई होगी।
पर ये पुतले देख कितने असली लग रहे हैं। ये नागराज है आतंकवाद का दुश्मन!
मेरी दिली तमन्ना थी कि मैं जिंदगी में एक बार इसे तमाचा मारूं! असली वाला तो कभी मेरे सामने पड़ेगा नहीं, इसी पर अपनी भड़ास निकाल लूंगा मैं!

इसने हम लोगों की नाक में दम कर रखा है! बड़ा आया आतंकहर्ता नागराज!
और ये कमजर्फ मुम्बई का बाप डोगा!
इसके रहते मुंबई में वारदात करने से पहले सौ बार सोचना पड़ता है।

लानत है इस आतंकहर्ता पर। आक थू!
पिच्च
थू! खुदा इन्हें दोजख में भी जगह ना दे!
पिच्च

धम्मम!!

मैं ज्यादा कठोर होना तो नहीं चाहता था। पर मेरे मित्र नागराज और डोगा का अपमान करने का खामियाजा तो भुगतना पड़ेगा!
दो गए अब बाकियों की खबर ली जाए!

ये क्या? अचानक बिजली को क्या हुआ? हाशिम जाओ चैक करो, कहीं ये पुलिस के कुत्तों की कोई चाल न हो!

ये हाईटेक मॉल है!

बिजली जाते ही यहां का ऑटोमेटिक बैक-अप जेनरेटर शुरू हो जाएगा बिजली चंद सकेण्ड्स में आ जाएगी।

और ये चंद सेकेण्ड्स मेरे लिए काफी होंगे।

ब्लैम ब्लैम

आहाहाहा! सुपर कमाण्डो ध्रुव! अपराधियों की नाक में दम करने वाला सुपर कमाण्डो ध्रुव शमशीरा के सामने चंद पलों के लिए भी नहीं टिक पाया आहाहाहा! जश्न मनाओ आज दो काम एक साथ बन जाएंगे!

ध्रुव की मौत का जश्न मनाने के लिए तुम्हें अभी कई साल और इंतजार करना होगा शमशीरा! क्योंकि...
तुम जैसों को जेल की कोठरी में पहुंचाने के लिए अभी कई और साल जिएगा...
सुपर कमाण्डो ध्रुव!
तो वह तुम्हारा पुतला था।
पकड़ लो इसे!
जरूर!
अगर पकड़ सको तो।

GOOD! ये तो बड़ी आसानी से पिट गए! पांच मिनट पूरे होने में अभी भी डेढ़ मिनट बचा है! मतलब इस मॉल से...
...अभी भी एक लाश बाहर जाएगी ध्रुव!
तुम्हारे बारे में जितना सुना था तुम उससे बेहतर ही निकले ध्रुव! पर बेहतर होने का मतलब ये नहीं कि तुम हमेशा जीत जाओगे।
हमारी मांग अब तुम पूरी करवाओगे वर्ना ये बच्ची तुम्हारे ही हथियार से अपनी जान से जाएगी। फैसला लेने के लिए तुम्हारे पास है सिर्फ एक मिनट।
FAST
बच्ची को छोड़ दो शमशीरा! बच कर जाने का कोई रास्ता नहीं है।
रास्ता तुम बनाओगे ध्रुव!
धड़ाक!!
आह
पकड़ लिया!
मॉल की कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए उपयोग में आने वाली ये ऑटोमेटिक ट्रॉलीज मॉल के कितने काम आएंगी ये तो पता नहीं पर आज ये एक आतंकवादी को पकड़वाने के काम आई हैं।

तुम हमें रोक नहीं पाओगे ध्रुव! हम अपना मकसद पूरा करके रहेंगे!

शौक से! जेल की काल कोठरी में अपने मकसद को पूरा करने के लिए तुम्हें भरपूर समय मिलेगा।

वैसे पांच मिनट पूरा होने में अभी भी 30 सेकेण्ड्स शेष है।

शुक्रिया ध्रुव! एक बार फिर तुमने राजनगर वासियों की जानें बचाई।

वैसे तुम अंदर पहुंचे कैसे? अंदर जाने का कोई रास्ता तो था नहीं?

एयर कंडीश्नर्स की डक्ट के रास्ते। अंदर की स्थिति क्या होगी ये तो क्लीयर नहीं था। पर 150 जानों की सलामती के लिए खतरा उठाना ही था!

150 नहीं ध्रुव 149!

...मेरे अभिनव को तो इन्होने पहले ही मार दिया था! तुम या कानून इसे क्या सजा दोगे मैं जानती हूं। इसे सजा मैं दूंगी! वही सजा जो इसने मेरे अभिनव को दी !

मेडम होश में आइए! अपराधियों को सजा देने का काम कानून का...

...नहीं है! कानून की सजा का डर इन अपराधियों को होता तो मेरा अभिनव अभी जिंदा होता! इन्हे किसी का डर नहीं है ध्रुव ना तुम्हारा ना कानून का!

वर्तमान!
उसका कहना था कि वो मुझे करना चाहिए था।
आपने लोगों को उस चोर को मारने से क्यों रोका पापा? बुरे लोगों को सजा मिलनी चाहिए!
सजा देने का काम कानून का है ध्रुव! हमें कोई हक नहीं कानून को हाथ में लेने का।
कम से कम पापा तो बचपन से मुझे यही सिखाते आए हैं। पहले श्याम पापा और फिर राजन पापा!
और यही मैं करता आया हूं! मैंने जो किया सही किया! पर जो मैं करता हूं वो हमेशा सभी को सही लगे ये जरूरी नहीं!
उन आतंकवादियों को जिंदा मॉल से बाहर निकलने देना मेरी भूल थी?
पर वह आखिरी चीज होती जो मैं अपने जीवन में पूरे होशो-हवास में करता!
किसी की हत्या!
वह आखिरी चीज होती जो मेरे पिता मुझसे करने की उम्मीद रखते!
क्योंकि अपराधियों को सजा देने का हक सिर्फ कानून का है।
लोग आपके क्राइम फाइटर होने पर उंगली उठाने लगते हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि आप वो नहीं कर पाते जो दूसरे लोग आपकी जगह होते तो करने से पहले सोचते तक नहीं!
POLICE
उस लड़की को भी मुझसे यही शिकायत थी और उन बूढ़े बाबा को भी।
ध्रुव!

यार मुझे बहुत डर लग रहा है! ये पहली बार कर रहा हूं मैं! वैसे भी मैंने सुना है पुलिस बहुत मारती है!
पुलिस का डर नहीं है अपुन को। कुछ हजार ढीले करने का और कोई पुलिस वाला इधर दो घंटे तक नहीं फटकेगा!
हां वो शैतान के बाप ध्रुव का प्रॉबलम है पर फिकर नॉट। उसके आने पर ज्यादा कुछ नहीं करने का थोडी बहुत मार खाने का और बोलने का मैं भटक गया था ध्रुव, मुझे माफ कर दो!
नेक दिल इंसान झट से पिघल जाता है। थोड़ी सी सजा और फिर आजाद पंछी!

जान बूझ कर चल रहे हो तुम इस रास्ते पर!

पर इसमें गलती तुम लोगों की नहीं है!

गलती मेरी है क्योंकि मैं समझता था कि तुम लोग सुधर जाओगे!

पर नहीं, सुधरते वो लोग हैं जो राह से भटक गए हों।

अक्क! ह...हमें...म... माफ...कर दो ध्रुव! हम...व वाकई में....भटक...

अब और नहीं! और बहकावे में नहीं आऊंगा! जिस रास्ते तुम लोग चलते हो उस रास्ते पर जाने से रोकने के लिए तुम्हें दूसरा मौका नहीं मिलना चाहिए!

नहीं ध्रुव मुझे मत मारो! मैं सुधर जाऊंगा!
तुम लोग सुधर नहीं सकते! दूसरा मौका देने पर उस मौके को कैसे भुनाना है इस उलट फेर में चलता है तुम्हारा दिमाग! क्या कहा था हम हत्यारे नहीं है?
शुरूआत यहीं से करते हो तुम लोग! जेब कतरना फिर छोटी-मोटी चोरी, लूट, फिर डकैती, और फिर हत्या और तुम जैसों का प्रोग्रेस रेट दुनिया में किसी भी प्रोग्रेस रेट से कई गुना ज्यादा होता है। एक रात में चोर से हत्यारा
हमें पुलिस के हवाले कर दो ध्रुव पर प्लीज हमें जान से मत मारो।
पर आज ये प्रोग्रेस रेट यहीं रोक देते हैं! किस्सा यहीं खत्म करते हैं।
वही बैकअप प्लान! नाSSSह! आज कोई बैक अप प्लान काम नहीं आएगा!
डोगा की तरह आज मैं ये समस्या जड़ से खत्म करूंगा!
एक गोली, भेजा बाहर! अपराधी खत्म, अपराध खत्म!
तु...तुम ऐसा नहीं कर सकते! तुमने आज तक किसी की जान नहीं ली!
गलत! मैं एक जान ले चुका हूं! और आज दो जानें और लूंगा।

कहानी 19 पेज से जारी है।

जिंदगी या मौत, फैसला करेंगे...
72 घंटे
राज कॉमिक्स में पढ़िए डोगा सीरीज की अचूक कॉमिक

जिसकी होगी ताकत असीम उसका होगा रुतबा बुलंद!
जंगल का हर वीर इस चुनौती को
स्वीकार करके बना रहा है सबसे ऊंचा...
कीर्ति स्तम्भ

"यह मजाक नहीं है"
बड़ाSSSम!!
POLICE
POLICE
MHIXIXII
स्क्रीSSSचच!!

आह!

आखिर आज वो दिन आ ही गया। हम आजाद हुए! जिस मकसद से हम यहां आए थे वो तो पूरा नहीं हो पाया पर, अपने वतन लौटने से पहले हमें इन हिंदुस्तानियों के दिलों में वो दहशत पैदा कर जानी है जिनसे इनकी आगे आने वाली नस्लें भी हमारे नाम से थर-थर कांपे! तैयार हो सभी?
तैयार हैं।
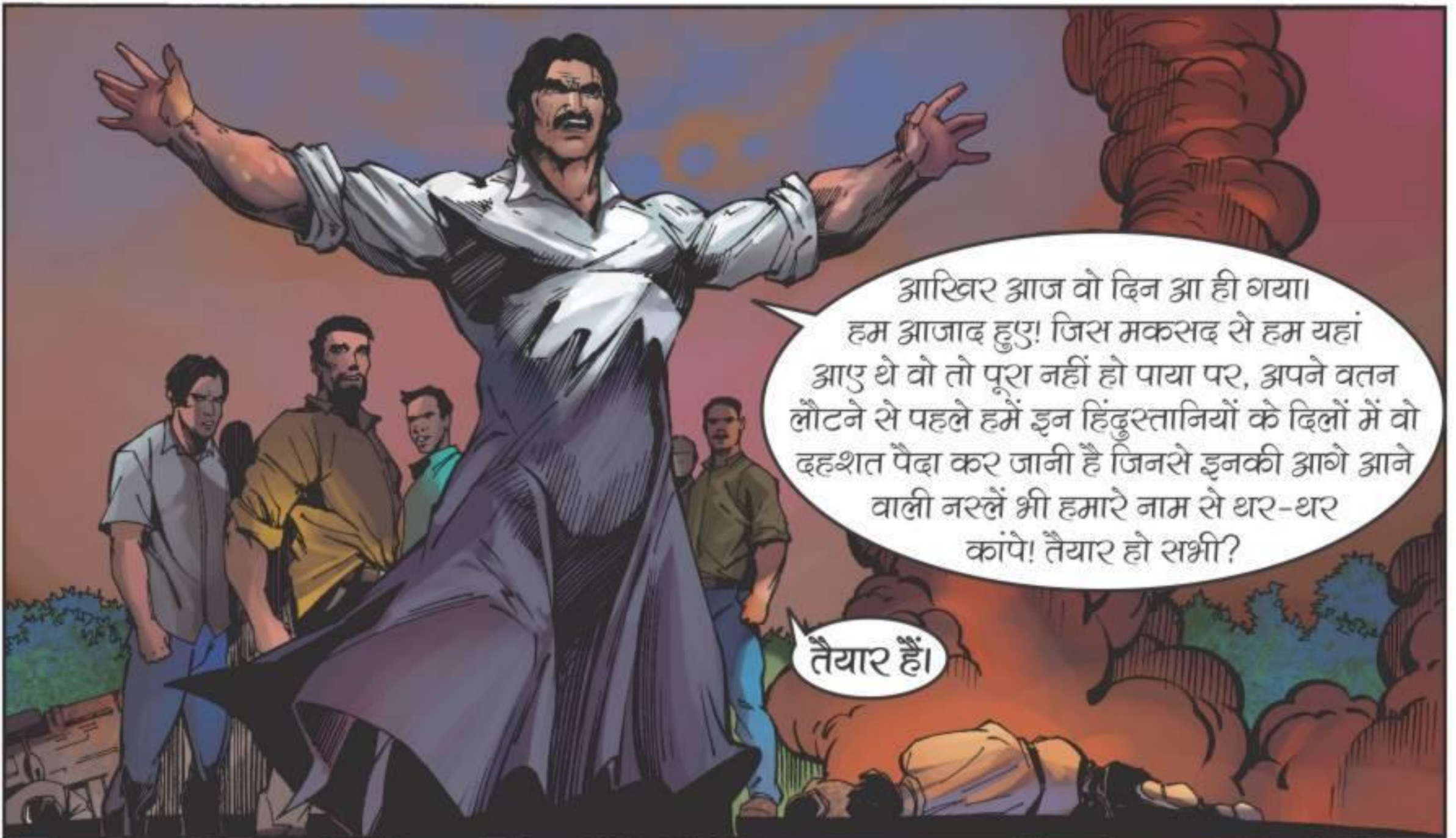
राजनगर, मेन सिटी आजाद मार्केट, 15 मिनट बाद!
तड़! तड़! तड़!
रैट! रैट! रैट!
अगले पांच मिनट्स में जो हुआ वो दहला देने वाला था।

आंतक ने अपना मुंह खोल दिया था।
जिन्हे गोलियां लगी वो वहीं गिर गए लाशों में शरीक होने को
पर जिन्हे नहीं लगीं वो भी हिल ना सके।
अचानक ही माहौल में चुभने वाली शांती हो गई।
ओह! गोलियां खत्म...
पर ज्यादा देर के लिए नहीं।

जो बोले सो निहाल!

सत् सिरी अकाल!

ध्रुव!

हां मैं!

छोड़ दीजिए उसे और सब लोग पीछे हट जाइए! अपराधियों को सजा देना कानून का काम है!

कानून? ओए की कानून? कानून तोड़ कर ही एह लोग यहां इतना कत्लेआम मचा चुके हैं। क्या किया कानून ने? त्वाडी अकल मारी गई है ध्रुव! एह लोग कानून की सजा के नहीं हमारी सजा के हकदार हैं।
शांत हो जाइए आप लोग! आप लोग अभी इन्हें मार लेंगे आपका क्रोध शांत हो जाएगा, फिर क्या? आप लोग हत्यारे बन जाएंगे, फिर इनमें और आपमें अंतर ही क्या रह जाएगा?
इंसानों की बस्ती में जंगल का कानून नहीं चल सकता! कानून आपकी सहायता के लिए बना है। उसका सहयोग कीजिए उसे हाथ में मत लीजिए!
ओए! कानून की ऐसी की तैसी! त्वाडे उपदेश अपने पास रख ध्रुव! एह नु मैं नई छड्डांगा!
कानून के हवाले करके क्या हो जाएगा? कल को फिर कोई आकर इन्हें छुड़ा ले जाएगा! और ये लोग कल फिर इससे बड़ा कत्ले आम मचाएंगे! कानून कुछ नहीं कर पाएगा!
नहीं ध्रुव! हम ऐसा नहीं होने देंगे! सजा इन्हें यहीं मिलेगी!
धाड़!!

देखिए मैं आपसे फिर आग्रह करता हूं सब लोग पीछे हट जाइए और पुलिस को अपना काम करने दीजिए! अगर आप लोग इसी तरह...
वाह, ध्रुव! वाह!...
क्या खूब कानून और क्या खूब न्याय है यह! सैंकड़ों लोगों के हत्यारों को वही शख्स बचा रहा है जो अपने आपको मानवता और हमारा रक्षक कहता है!
यह जानते हुए भी कि जिसे वह आज बचा रहा है वह फिर कल इसी तरह की हरकत करने से बाज नहीं आएगा।
कहां थे तुम या तुम्हार कानून जब ये आतंकवादी सभ्य समाज की धज्जियां उड़ा रहे थे? कहां थे जब मेरा खानदान मेरी आंखों के सामने मारा जा रहा था!
देखिए चाचा...
देखने को कुछ बचा कहां है ध्रुव?
हर ओर खून, लाशें! इतनी कि किसी का भी दिल दहल जाए! खून सिहर जाए, पर लगता है तुम्हारा खून जम चुका है! बर्फ की तरह!
तुम्हें हमारे दर्द का अहसास नहीं होगा ध्रुव! इसे हमारे हवाले कर दो। इन लाशों में चंद लाशें और शुमार हो जाएंगी तो कानून को कोई फर्क नहीं पड़ेगा।
अरे जब हमारे अपने मर गए तब कोई फर्क नहीं पड़ा, तो इन कमीनों की मौत से क्यों पड़ना चाहिए?
जब निर्दोशों की जान नहीं बचा सके तुम तो इन गुनहगारों को कैसे बचा सकते हो?
हट जाओ सामने से!

मैं जानता हूं अभी मेरी कोई भी कही बात आप लोगों की समझ नहीं आएगी! इसीलिए मैं इसे यहां से ले जा रहा हूं!
मैं जो कर रहा हूं वो आप लोगों के ही हित में है। जब आपका क्रोध शांत हो जाएगा तब ये बात आप खुद-ब-खुद समझ जाएंगे!
रुक जाओ ध्रुव! तुम इन्हें इस तरह नहीं ले जा सकते!

धांsssय!!

वो पहला खून किया था मैंने! हालांकि गोली मैंने नहीं चलाई थी। पर उन बूढ़े बाबा को गोली चलाने पर मजबूर मैंने ही किया था!
उनकी बात मान लेता तो शायद वो आत्म हत्या नहीं करते! पर वह आत्म हत्या कहां थी? वह खून था और हत्यारा था मैं!
हमें माफ कर दो ध्रुव! मैं कसम खाता हूं कि आगे से ऐसा कोई काम नहीं करूंगा!
YOU ARE UNDER ARREST!

"ध्रुव को इतने गुस्से में कभी नहीं देखा उस पर जैसे खून सवार था"

सिटी न्यूज में आज की चौकाने वाली खबर कल रात तीन अपराधियों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से जुड़ी है। जिन हत्याओं को आपसी रंजीश या गैंग वार का नतीजा माना जा रहा था उस केस ने चौकाऊ खुलासे के साथ एक नया मोड़ ले लिया है!

"ध्रुव जिस तरह से गन मुझ पर ताने हुए था लग रहा था वो गोली चला ही देगा!!"

"लगता है ध्रुव अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है।"

"सच्चाई या तो मरने वाले अपराधी जानते हैं या सिर्फ ध्रुव! पर सच क्या है यह सिर्फ आने वाला वक्त ही बताएगा!"
तुझे क्या हो गया मेरे बच्चे!
"आखिरी बार पूछता हूं। मुंह से सच के अलावा कुछ और निकला..."
...तो तू जानता है झूठ बोलने वालों का राजन मेहरा क्या हश्र करता है।
और कितना सच बोलेगा साब? पिछले आधे घंटे से सच ही बोल रहा हूं मैं! वो बिल्डिंग में से निकलने वाला आदमी ध्रुव ही था!
अब आप इस बात को सच नहीं मानना चाह रहे हो तो मैं क्या करेगा? होता है साब, आपका बेटा जो है वो!
धाSSSड!

क्या साब! लग गई ना मिर्ची! पन मेरे पर गुस्सा निकालने से सच बदल नई जाएगा साब!
कंट्रोल कीजिए सर!
शायद यह भी और अपराधियों की तरह ध्रुव से खार खाया हुआ है इसीलिए उसे फसांने के लिए झूठ बोल रहा है!
आप शांत हो जाईए! इससे सच मैं उगलवाता हूं।
नहीं संजीव! उसकी जरूरत नहीं है। यह सच बोल रहा है!
सर?
हां! यह सच बोल रहा है! पर जितना सच यह बोल रहा है उतना ही सच यह है कि ध्रुव ऐसा कभी नहीं कर सकता। पर पिछले दिनों जो कुछ भी उसके साथ घटा है। उसके चलते...उफ!
अगर यह सच हुआ सर तो?
तो कानून अपना काम करेगा! अगर उसने यह अपराध किया है तो उसे भी जेल जाना होगा!
किसे जेल भेजने की बात की जा रही है?
ओह! आ गए तुम! आओ!
अब पूछ लेना साब! सच क्या है और झूठ क्या है!
मुझे यहां क्यों बुलवाया गया है?
हां! न्यूज में देखा! पर मैं इतना ही कहूंगा कि यह झूठ है। मुझे फंसाया जा रहा है!
तुमसे कुछ छिपा तो होगा नहीं ध्रुव! जब सारा राजनगर यह खबर जान गया है तो तुम भी...
पर मैं यह जानना चाहता हूं कि...
...मैं कल रात उस वक्त कहां था! जानता था आप मुझसे यही पूछना चाहते हो।
पिछले दिनों तुम्हारे साथ हुए हादसों और कल रात उन दो चोरों की तुम्हारे हाथों बेहरमी से पिटाई ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया है कि...

...कि कहीं सचमुच ध्रुव हत्यारा तो नहीं बन गया?
कल रात मैं उन चारों के साथ कुछ सख्त हो गया था पापा।
पर इसका मतलब यह नहीं कि मैं लोगों का खून करता फिरूं। उन चोरों को भी मैंने आखिर छोड़ ही दिया था।
हां! क्योंकि वहां पुलिस आ गई थी!
आपका इंटोरेगेशन खत्म हो गया हो तो मैं जाना चाहूंगा! मुझे दूसरे काम निपटाने हैं।
यह इंटेरोगेशन नहीं था ध्रुव! मैं तुम्हारी मदद करना चाहता हूं। तुम अगर मुझे बता दो तो...
आपके भरोसे के लिए थैंक्स पापा! BYE!
रूक जाओ ध्रुव!
कैसे हो D.I.G रमन!
तु...तुम! यहां!

अचंभित होने की एक्टिंग जोरदार कर लेते हो D.I.G! किसी टेलेंट शो में जा कर अपना हुनर क्यों नहीं दिखाते?
क्यों आए हो यहां? यहां तुम्हारे मतलब की कोई चीज नहीं है।
मेरे मतलब की एक चीज है यहां और वो चीज है...

...तुम्हारी जान! जिसे मैं लेकर ही जाऊंगा!

हमम्! सेंडविच के लिए शुक्रिया D.I.G.!
पर टॉमेटो केचअप की जगह चिली सॉस यूज किया करो...यू नो! इट्स डिफरेन्ट!

ना ना D.I.G. ज्यादा छटपटाओ नहीं! ये ड्यूअल डैथ है! पतली तार तुम्हारी गरदन को काट कर कब तुम्हें परलोक पहुंचा देगी पता नहीं चलेगा! और अगर गरदन ना कटी तो फांसी लगने से तो तुम मरोगे ही मरोगे!
खुदकिस्मत हो D.I.G. ऐसी दोहरी मौत मरना हर किसी को नसीब नहीं होता।

ठीक है D.I.G.! मौत मुबारक हो! फिर कभी नहीं मिलेंगे!!

तुम जो भी हो वहीं रूक जाओ! भागने का विचार त्याग दो सफल नहीं हो पाओगे!
ओ! सुपर कमाण्डो ध्रुव! तुम्हारे यहां आने की उम्मीद नहीं थी मुझे!
वैसे दूसरों के घरों में खिड़की के रास्ते घुसना शरीफ लोगों की आदतों में शुमार नहीं किया जाता।
इसांनी जान लेना शरीफों की कौन सी आदत में शुमार किया जाता है?
छनाक
OH C'MON! अपनी खूबियों का बखान करने से कब बाज आओगे तुम?
कमरे में अंधेरा कर के भी तुम बच नहीं पाओगे! मैं अंधेरे में भी तुम्हें पकड़ सकता हूं!
बेशक तुमने अंधकार में लड़ना सीखा होगा ध्रुव लेकिन मैं इसमें जीता आया हूं! अंधेरा मुझे सहज बनाता है!
अभी पता चल जाएगा!
आहSSS
अब तुम्हें अपने किए पर अफसोस होगा कि काश वो लाइट्स तुमने ना फोड़ी होतीं!
अफसोस तो तुम्हें होगा ध्रुव कि तुम इस लड़ाई में कूदे ही क्यों?
आSSSSह!!
यह इसने कैसे किया? इतनी जल्दी उठ कर यह मुझ पर वार नहीं कर सकता... वैसे भी उसकी आवाज काफी दूर से आई थी। मतलब ये दूर से ही वार करने वाली किसी तकनीक का यूज कर रहा है!

यह एक दम सही जगह वार कर रहा है।
मतलब साफ है कि यह मुझे अच्छी तरह देख पा रहा है। शायद इंन्फ्रारेड विजन की मदद से!
GOOD! इसकी इसी पॉवर का प्रयोग इसके खिलाफ करना होगा!
आऽऽऽह! ये...ये कैसे सभंव है? इतनी तेज रौशनी में कोई भी साधारण इंसान...
...देख नहीं सकता! बिल्कुल सही थ्योरी है लेकिन मुझ पर कारगर सिद्ध नहीं होगी।
आऽऽऽऽह!
तुम मेरी हिट लिस्ट में नहीं हो ध्रुव! पर मेरा रास्ता रोक कर तुमने खुद ही लिस्ट में शामिल होने की जिद की है। तो मुझे मजबूरन अपनी लिस्ट को लम्बा करना ही होगा!
ओफ्फ!! इसकी पकड़ तो किसी मशीनी शिकंजे जैसी मजबूत लग रही है! ऐसे तो ये मेरी गरदन की हड्डी का चूरा बना देगा! इसकी पकड़ से आजाद होना होगा!

हम्फ!! खतरनाक कोशिश थी यह! हालांकि मैं जानता था कि घरों में लगे इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी एक्विपमेंट्स किसी को भी शॉक लगते ही इलेक्ट्रिक सप्लाई बंद कर देते हैं ताकि शॉक जान लेवा साबित ना हो, पर फिर भी था तो यह खतरनाक कदम ही!
आऽऽऽऽह! त...तुम पागल हो गए हो ध्रुव!!
हां! मुझे भी यही लगता है!
अपराध और अपराधियों को देखते ही मैं पागल हो जाता हूं।
हम्फ!!
धाऽऽड़!
अब अपना सुन्दर सा चेहरा भी दिखा दो।
आऽऽह! मेरा...मेरा चेहरा देख कर...क्या करोगे ध्रुव? हम्फ! मेरा चेहरा देख तुम्हें जो झटका लगेगा उससे तुम कभी उबर नहीं पाओगे!
WHAT THE HELL! य... यह संभव नहीं!
संभव हो या असंभव परन्तु यथार्थ यही है ध्रुव जो तुम देख रहे हो...
बंदे को AXE कहते हैं!
THIS IS IMPOSSIBLE!
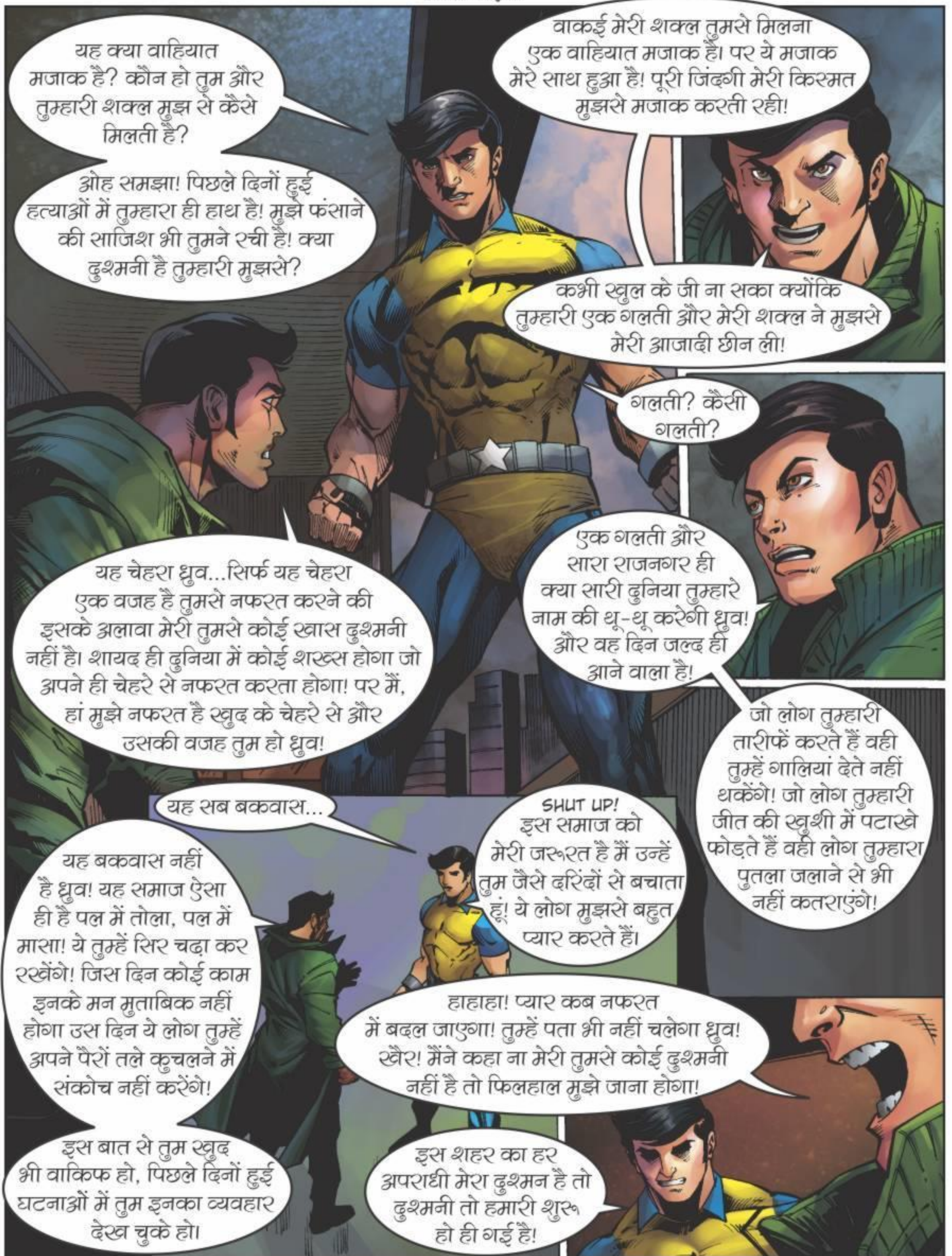
यह क्या वाहियात मजाक है? कौन हो तुम और तुम्हारी शक्ल मुझ से कैसे मिलती है?
ओह समझा! पिछले दिनों हुई हत्याओं में तुम्हारा ही हाथ है! मुझे फंसाने की साजिश भी तुमने रची है! क्या दुश्मनी है तुम्हारी मुझसे?
वाकई मेरी शक्ल तुमसे मिलना एक वाहियात मजाक है। पर ये मजाक मेरे साथ हुआ है! पूरी जिंदगी मेरी किस्मत मुझसे मजाक करती रही!
कभी खुल के जी ना सका क्योंकि तुम्हारी एक गलती और मेरी शक्ल ने मुझसे मेरी आजादी छीन ली!
गलती? कैसी गलती?
यह चेहरा ध्रुव...सिर्फ यह चेहरा एक वजह है तुमसे नफरत करने की इसके अलावा मेरी तुमसे कोई खास दुश्मनी नहीं है। शायद ही दुनिया में कोई शख्स होगा जो अपने ही चेहरे से नफरत करता होगा! पर मैं, हां मुझे नफरत है खुद के चेहरे से और उसकी वजह तुम हो ध्रुव!
एक गलती और सारा राजनगर ही क्या सारी दुनिया तुम्हारे नाम की थू-थू करेगी ध्रुव! और वह दिन जल्द ही आने वाला है!
जो लोग तुम्हारी तारीफें करते हैं वही तुम्हें गालियां देते नहीं थकेंगे! जो लोग तुम्हारी जीत की खुशी में पटाखे फोड़ते हैं वही लोग तुम्हारा पुतला जलाने से भी नहीं कतराएंगे!
यह सब बकवास...
SHUT UP! इस समाज को मेरी जरूरत है मैं उन्हें तुम जैसे दरिंदों से बचाता हूं! ये लोग मुझसे बहुत प्यार करते हैं।
यह बकवास नहीं है ध्रुव! यह समाज ऐसा ही है पल में तोला, पल में मासा! ये तुम्हें सिर चढ़ा कर रखेंगे! जिस दिन कोई काम इनके मन मुताबिक नहीं होगा उस दिन ये लोग तुम्हें अपने पैरों तले कुचलने में संकोच नहीं करेंगे!
इस बात से तुम खुद भी वाकिफ हो, पिछले दिनों हुई घटनाओं में तुम इनका व्यवहार देख चुके हो।
हाहाहा! प्यार कब नफरत में बदल जाएगा! तुम्हें पता भी नहीं चलेगा ध्रुव! खैर! मैंने कहा ना मेरी तुमसे कोई दुश्मनी नहीं है तो फिलहाल मुझे जाना होगा!
इस शहर का हर अपराधी मेरा दुश्मन है तो दुश्मनी तो हमारी शुरू हो ही गई है!

मुझे तुम्हारी यही बात पसंद नहीं ध्रुव! दूसरों के कामों में दखल अंदाजी, राजनगर का दुश्मन मेरा दुश्मन! क्यों दूसरों की मदद को हर जगह पहुंच जाते हो?
मेरी बातों पर गौर करना ध्रुव! शायद फिर मिलेंगे! और हां लड़ाई के बीच इस तरह स्तब्ध होना ठीक नहीं! दुश्मन तुम पर हावी हो सकता है!
आह!!!
धम्म्माम!!
आऽऽऽह! मुझे इस तरह असावधान नहीं होना चाहिए था पर उसकी शक्ल... एक पल के लिए मैं भूल गया था कि मैं उससे लड़ रहा था!
हम्फ्!! क्या-क्या बकवास कर गया वो! कैसी गलती की बात कर रहा था! कहीं ध्यान भटकाने की कोई चाल तो नहीं थी वो उसकी!
तुम?

हां मैं!
वैसे तुम उठ कर खड़े हो जाओगे तो बेहतर होगा!
वर्ना राजनगर वासी अपने रक्षक को एक लड़की के कदमों में देखेंगे तो तुम्हारी हीरोइक इमेज को काफी नुकसान पहुंचेगा! और यह बात नताशा...
OH, SHUT UP रिचा! मैं पहले ही काफी परेशान हूं! ऐसी बातें कर मेरी परेशानी को बढ़ाओ मत प्लीज!
तो जल्दी से अपने पैरों पर खड़े हो जाओ!
मैंने तुम्हें उपर से गिरते देखा! देखने से लग रहा था जैसे तुम्हें किसी ने उपर से फेंक दिया हो पर मेरी नजरें किसी दूसरे शख्स को ढूंढ पाने में नाकाम रहीं!
अपराधी अक्सर अपने काम को अंजाम दे कर वहां से फरार हो जाते हैं!
पर तुम यहां कैसे?
तुम्हारा प्यार खींच लाता है तुम्हारे पास...
और किसी वजह की जरूरत है क्या?
कोई खास काम था मुझसे
YOU ARE IMPOSSIBLE! सारी पूछताछ यहीं कर लोगे? अरे भई लड़की को कहीं अच्छी सी शांत जगह ले जा कर, कॉफी या डिनर कराते हुए भी तो ये सारी बातें पूछी जा सकती हैं!
हे भगवान!
ठीक है CF हैडक्वार्टर चलते हैं।

...तो तुम चाहती हो मैं उससे एक बार मिल लूं!
एग्जेक्टली!! कॉफी पीते ही सारी बातें फटाफट समझने लगे हो तुम!
भूल जाओ! मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा!
मैं जानती हूं ध्रुव तुम्हारे लिए मैं एक दोस्त से ज्यादा अहमियत नहीं रखती। पर पूरे राजनगर में सिर्फ तुम ही हो जिसे मैं अपना समझती हूं!
न्यूज चैनल पर जब तुम्हारे बारे में पता चला तो मुझसे रहा नहीं गया!
घर पर रजनी आंटी के मुंह से तुम्हारी हालत के बारे में सुन कर मेरी परेशानी कितनी बढ़ गई है इसका अदांजा लगा पाना मुश्किल है!
मेरी बीमारी के बारे में तो तुम जानते ही हो ना ध्रुव! जानते हो उस बीमारी से कैसे लड़ पाई मैं? तुम्हारे कारण ध्रुव!
तुम्हारे रूप में लड़ने की हिम्मत, जीने की वजह दी थी मुझे भगवान ने, जिसे तुम जाने अंजाने मुझसे छीन रहे हो ध्रुव!
मैंने तुमसे कभी कुछ नहीं मांगा और कभी मांगूगी भी नहीं पर प्लीज मेरी यह एक बात मान लो ध्रुव!
बेशक हमारे बीच कोई रिश्ता नहीं है पर एक दोस्त के नाते ही सही, यह बात मान लो ध्रुव।
GAAAH! पता नहीं भगवान ने लड़कियां क्यों बनाईं! बनाईं तो बनाईं उन्हें ब्रह्मास्त्र के रूप में ये आंसू क्यों दे दिए!
भगवान मिलें तो उनसे यह बात जरूर पूछना!
लाओ एड्रेस दो। मैं कल उनसे मिल लूंगा!
यस! यस! यस! थैंक गॉड तुम मान गए वर्ना मेरे ग्लीसलीन के पैसे बर्बाद जाते! और यह रहा एड्रेस तुम्हारा एपॉइंटमेंट अब से ठीक 40 मिनट बाद है!
WHAT? मतलब तुम्हें भरोसा था कि मैं मान जाऊंगा!
नहीं! मुझे भरोसा था कि मैं तुम्हें मना लूंगी!
तुम नहीं सुधरोगी!
कभी नहीं!

कहीं पर-
BOSS! BOSS! एक बुरी खबर है। अभी-अभी खबर आई है कि...
हां! जानते हैं हम! हमारे पिता पर हमला करके बच नहीं पाएगा वो!

उसके अपराधों की लिस्ट लम्बी होती जा रही है! टी-गार्ड्स को बुलावा भेजो! उसे सजा देने का वक्त आ गया है!

...मैं फिर कहता हूं रिचा इस सब से कोई फायदा नहीं होगा! नतीजा शून्य निकलेगा।
यह सब किसी नतीजे पर पहुंचने के लिए नहीं है ध्रुव! यह बस दिल की तसल्ली के लिए है! दिल की तसल्ली से बड़ा कुछ नहीं होता!

मैं यहीं तुम्हारा इंतजार करूंगी ध्रुव! ALL THE BEST!
THANKS! अब इसी की जरूरत बाकी रह गई थी!

पता नहीं किससे मिलने भेज दिया मुझे! कौन होगा? क्या पूछेगा?
मैं यहां आया ही क्यों? ये रिचा को तो...
आओ ध्रुव! अंदर आ जाओ!

आप? क्या आप ही...
हां! मैं ही हूं डॉक्टर शादाब सिद्दीकी! मुझे तुम्हारे बारे में बताया गया है! और सब जानने के बाद मैंने तुम्हें यहां कुछ केसेज के बारे में बताने के लिए बुलाया है!
प्लीज बैठ जाओ!
इस आदमी को देख रहे हो ध्रुव? इसका नाम है सिद्धार्थ गुप्ता! इसका एक दोस्त रोज रात इसे पीटा करता था।
तंग आ कर सिद्धार्थ ने पुलिस में कम्पलेंट दर्ज करवाई!
पुलिस ने इसकी सुरक्षा के कड़े इंतजाम करवाए। पर तमाम प्रोटेक्शन के बाद भी उस शख्स ने उसे उस रात को फिर पीटा!
सुरक्षा और कड़ी की गई पर यह सिलसिला नहीं रुका!

फिर पुलिस ने इसके घर व कमरे में जगह-जगह C.C.T.V. कैमरे लगाए और हर एक्टिवीटी पर नजर रखी गई!
रात को जो कुछ भी C.C.T.V. पर देखा गया वो हैरान कर देने वाला था!
जानते हो उन्होंने क्या देखा?
सिद्धार्थ को बुरी तरह पीटने वाला शख्स कोई और नहीं खुद सिद्धार्थ गुप्ता ही था! ये रोज रात को खुद से बातें करता था जगह बदल-बदल कर!
फोन पर खुद को ही धमकी देता था और सबसे अहम बात खुद को पीटता भी था!
यह बात उसने तब-तक नहीं मानी कि यह सब वो खुद किया करता था जब-तक उसने यह सब अपनी आंखों से नहीं देख लिया!

वह हैलूसिनेशन का शिकार था! हैलूसिनेशन तब होते हैं जब इंसान इमोशनली अनस्टेबल हो जाता है। दिल को झकझोर देने वाले हादसे इंसान को इसका शिकार बना देते हैं।
कई बार यह जन्म से ही होता है और कई बार हालातों के चलते हो जाता है!

इमोशनली अनस्टेबल इंसान को और भी मानसिक रोग पकड़ते हैं।
जैसे भीतरी अंतर्द्वंद के चलते स्प्लिट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर! इंसान दोहरी जिंदगी जीने लगता है, पर इसे कभी जान नहीं पाता!
दुर्भाग्य से सिद्धार्थ इन दोनों से ग्रसित था! यही नहीं मेरी फाईल्स भरी हुई हैं ऐसे कैसेज से!
पर यह सब आप मुझे क्या बता रहे हैं?

बताता हूं!
इन दोनो को तो जानते ही होगे तुम?
हां! पर इनका इस सारी कहानी से क्या संबंध है?
संबंध है ध्रुव बड़ा गहरा संबंध है क्योंकि कहानी में ट्विस्ट इन दोनों की वजह से ही आया है!
मतलब?

मतलब अभी समझ आएगा! इसे पहचानते हो?
यह...यह तो AXE है!
ओह! तो AXE नाम दिया है तुमने इसे!
क्या मतलब दिया है?

मतलब! तुम ही AXE हो और तुम ही ध्रुव! तुम ही ने किए हैं वो सारे खून AXE बनकर!
अपनी बकवास बंद करो और सच-सच बताओ कौन हो तुम, किसके कहने पर कर रहे हो यह सब?

सच यही है ध्रुव! उस लड़की और बूढ़े की आत्म हत्या वाली घटना ने तुम्हें इमोशनली अनस्टेबल कर दिया है।
और तुम AXE बन गए हो! जो काम तुम ध्रुव के रूप में नहीं कर सकते वो तुम AXE बनकर कर रहे हो!
मैंने कहा अपनी बकवास...

...बंद करो!
धाऽऽऽऽड़!
मुझे मार कर तुम सच झुठला नहीं पाओगे ध्रुव! तुम्हारी हिंसा तुम्हारी मानसिक बिमारी का सबूत है। मुझे तुम पर AXE हावी होता दिख रहा है! तुम्हें इलाज की जरूरत है ध्रुव!
उफ! पहले ही बीस मिनट लेट हो चुका हूं इस कार की वजह से! ना जाने और कितना समय खराब होगा...
कोरी बकवास है सब! मैं जल्द ही तुम्हें गलत साबित करूंगा!
समय तुम्हारे पास बचा कहां है D.I.G.! TIME'S UP!
WHAT THE...!

OH NO!
OH YES!
धड़ाक!
स्क्रीSSSच!!
य...यह..क्या कर...रहे हो तुम? क्या बिगाड़ा है मैंने तुम्हारा...अह...क्यों मारना चाहते हो मुझे?
तुम्हें मारने की मेरे पास सिर्फ एक छोटी सी वजह है डी.आई.जी. और वो यह कि मेरी हिट लिस्ट में सबसे पहला नाम तुम्हारा है।
पर...पर मैंने किया क्या है?
किया नहीं है तो करोगे डी.आई.जी.! तो क्या मैं तुम्हारे कुछ करने का इंतजार करूं ताकि तुम्हें मार सकूं? पोस्ट पेड के दिन लद गए प्रीपेड का जमाना है।
ओह! खटारा में टेंक फुल करा रखा है। GOOD!
अपनी मौत का नजारा देखने से पहले ही होश खो बैठे डी.आई.जी.! कोई बात नहीं, मौत तो वैसे भी आनी है। इस हालत में शायद तकलीफ कम हो! पर तुम्हें तड़पता हुआ देख जो मजा आता वो अब नहीं आ पाएगा।
भक्क!
सर्ररर!
खुश नसीब हो डी.आई.जी.! मौत से पहले ही चिता कम ही लोगों को नसीब हाती है!

भगवान तुम्हारी आत्मा को शांति कभी ना दे!
जाने से पहले अपने शिकार की मौत की तसल्ली तो कर लेते! AXE....
ब ड़ा म!
तुम! और ये D.I.G. बच कैसे गया?
एसिड कैप्सूल से इनके हैण्ड कफ्स को गलाने के बाद इन्हें बाहर खींचना आसान था!
वैसे जान कर खुशी हुई कि तुम मुझे भूले नहीं हो!
भुलूं और तुम्हें? यह एक ऐसा काम है ध्रुव जिसे ना कर पाने का मलाल मुझे हमेशा रहता है।
चाहता हूं कि तुम्हारे बारे में ना सोचूं!
पर ये चेहरा सोते-जागते, उठते-बैठते मुझे तुम्हारी याद दिलाता रहा है!
धाड़!
अपने आप से इतनी नफरत ठीक नहीं एक्स।
कोई मेरा मजाक उड़ाए...

...मुझे पंसद नहीं! खास कर वो जिसने मुझे चोट पहुंचाई हो।
हां ध्रुव! तुमने चोट पहुंचाई है मुझे!
तुम्हारे कारण मेरा कोई अपना मरा है, फर्क बस इतना है कि उसे मारा तो तुमने नहीं पर उसकी मौत की वजह तुम ही हो!
कड़ड़ड़ड़ाक!!
सारी उम्र तुम्हारी लगाई हुई आग में जलता रहा हूं मैं। अब तुम्हारी बारी है उस आग की तपिश को महसूस करने की!
हां भारती न्यूज नेटवर्क! मैं साऊथ पार्क रोड नः 4 से बोल रहा हूं। हां...ध्रुव यहां सड़क पर अजीब-अजीब हरकतें कर रहा है... क्या? पता नहीं...नहीं मेरे मोबाइल में कैमरा नहीं है। हां...आप जल्दी आ जाइए!
ओऽऽऽऽफ! क्या किया है इसने? मुझे भीतर से शरीर जलता हुआ महसूस हो रहा है! भीषण जलन हो रही है! बर्दाश्त नहीं हो रहा!

मेरे होते हुए तुम अपने मनसूबो में कामयाब नहीं हो पाओगे AXE!

कामयाब तो मैं हो ही जाऊंगा ध्रुव वैसे भी तुम ज्यादा देर इस जलन को बर्दाशत नहीं कर पाओगे!

ये तस्वीरें आप तक लाईव पहुंचाई जा रही हैं साऊथ पार्क से। यहां ध्रुव कुछ अजीब सी हरकतें करता हुआ पाया गया है!
पिछले दिनों राजनगर में हुई हत्याओं के आरोपी ध्रुव का ये कौन सा चेहरा सामने आ रहा है?

ये एक्सक्लूसिव तस्वीरें शायद उन हत्याओं के केस को भी समझने में काफी सहायक सिद्ध हो सकती हैं!
क्योंकि जिस तरह की हरकतें ध्रुव को करते हुए आप देख रहे हैं। वैसी हरकतें ध्रुव जैसा इंसान अपने होशों हवास में नहीं कर सकता!

पिछले दिनों हुए हादसों ने ध्रुव को इस कदर तोड़ दिया कि वो अपना मान्सिक संतुलन खो बैठा? क्या अपनी इसी अवस्था में किए हैं ध्रुव ने वो सारे खून?

तुम्हारी भागदौड़ यहीं पर खत्म होती है AXE.

क्रमशः
AXE

ध्रुव दुनिया से जीत सकता है...पर
आज खुद के अक्स ने चुनौती दी है उसे...
समय राजनगर के पास भी ज्यादा नहीं बचा
है पर कैसे जीतेगा ध्रुव ये जंग जब उसके
अस्तित्व को मिटा देने को प्रतिबद्ध है...
AXE
राज कॉमिक्स में पढ़िए सुपर कमांडो ध्रुव का धमाकेदार विषेशांक!